ISSN - OLD-2231-3613, NEW-2455-8729
International Educational Journal
UGC APPROVAL NO. - 42652
CHETANA

Received on 6th July 2017, **Revised** on 14th July 2017; **Accepted** 14th July 2017

शोध पत्र

डॉ० जाकिर हुसैन के शैक्षिक दर्शन का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अध्ययन

*** डॉ. शिप्रा गुप्ता (रीडर व एच.ओ.डी.)**
शिक्षा विभाग, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर
9001195587 (M)

मुख्य शब्द – *दार्शनिक दृष्टिकोण, आध्यात्मिक जीवन, व्यक्तित्व आदि*

- **सम्प्रत्यात्मक पृष्ठभूमि**

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह नैतिक निर्णय भी स्वविवेक तथा अर्न्तज्ञान से नहीं कर पाता है। आज के समाज की यही समस्या दर्शन के जिस रूप से सुलझायी जा सकती है, वह है शैक्षिक दर्शन।शैक्षिक दर्शन में शिक्षा सम्बन्धी समस्याओं को दार्शनिक दृष्टिकोण और दार्शनिक दृष्टिकोण विधियों से हल करने की प्रक्रिया सम्मिलित है जिससे विशिष्ट दार्शनिक निष्कर्षों और परिणामों पर पहुँच जाता है। शैक्षिक दर्शन शिक्षा की समस्याओं के अध्ययन में दर्शन का प्रयोग,दार्शनिक विश्वास का सक्रिय पहलू तथा जीवन के आदर्शों को वास्तविक रूप देने का क्रियात्मक साधन औरशैक्षिक दर्शन जीवन दर्शन के तत्वों पर आधारित है। अर्थात् शैक्षिक दर्शन मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करता है। शैक्षिक दर्शन ही मनुष्य को इस यर्थाथ भव संसार की बाधाओं को पार करके सफलता के नये आयाम को छूता है।

डॉ० जाकिर हुसैन एक ऐसे दार्शनिक है, जिनके जीवन दर्शन का चित्रण उनका जीवन है, जिसमें तन, मन, प्राण सभी का सन्तोष और विकास सम्मिलित है। ऐसा आध्यात्मिक जीवन में ही सम्भव है। डॉ० जाकिर हुसैन ने आदर्शवाद और यथार्थवाद का सामंजस्य कर व्यक्तिवाद तथा समाजवाद में सन्तुलन स्थापित किया है। डॉ० जाकिर हुसैन के अनुसार विद्यार्थी की जीवन धारा को नयी दिशा देना, उसके व्यक्तित्व को ऊपर उठाना और उसमें नई–नई आशाओं को लाना ही सच्ची शिक्षा है।

- **अध्ययन के उद्देश्य**

शोध अध्ययन के उद्देश्यों का निर्धारण इस प्रकार किया गया है –

1. डॉ० जाकिर हुसैन के व्यक्तित्व एवं उनके शैक्षिक दर्शन का अध्ययन करना।
2. डॉ० जाकिर हुसैन के समाज सुधार सम्बन्धित विचारों का अध्ययन करना।
3. वर्तमान समाज पर डॉ० जाकिर हुसैन के शैक्षिक दर्शन की प्रासंगिकता का अध्ययन करना।
4. डॉ० जाकिर हुसैन की रचनाओं में निहित शैक्षिक मूल्यों का अध्ययन करना।

- **शोध विधि**

प्रस्तुत अध्ययन की प्रकृति एवं उद्देश्यों को देखते हुए इस अध्ययन में दार्शनिक विधि का प्रयोग किया गया है।

- **निष्कर्ष**

अतःशिक्षा एवं संस्कृति के प्रसार की दृष्टि से डॉ० जाकिर हुसैन का काल भारतीय जीवन का उत्कर्ष काल रहा है। उस समय उच्च कोटि की शिक्षण व्यवस्था प्रचलित थी, जिसका उद्देश्य न केवल व्यक्ति का बौद्धिक विकास करना था, अपितु इसके साथ नैतिक एवं सांस्कृतिक उन्नयन भी रहा है। इस तरह प्राचीन शिक्षा व्यवस्था को वर्तमान परिदृश्य में उपयोगी माना जा सकता है।

- **निहितार्थ**

- डॉ० जाकिर हुसैन ने हमेशा छात्रों में स्वप्न का भाव भरने की प्रेरणा दी है ताकि युवा छात्र वर्ग सपने देखे व उन्हें पूरा करे। डॉ० जाकिर हुसैन के इन विचारों को पढ़कर भावी पीढ़ी अपने कुछ लक्ष्य को पूरा कर पाने में समर्थ हो सकती है।
- डॉ० जाकिर हुसैन के शिक्षा का अर्थ, शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षा प्रणाली, शिक्षण विधियाँ व पाठ्यक्रम सम्बन्धी विचार वर्तमान शिक्षा पद्धति में महत्वपूर्ण योगदान करने में समर्थ है।
- डॉ० जाकिर हुसैन ने शिक्षा को व्यक्ति के आचरण, विचार व व्यवहार को परिमार्जन करने वाली प्रक्रिया माना है। उनके शिक्षा सम्बन्धी यह विचार भावी पीढ़ी में नैतिक गुणों का समावेश करने में समर्थ हैं एवं उन्नत समाज के निर्माण में भागीदारी देने में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं।
- डॉ० जाकिर हुसैन ने शिक्षा के जो उद्देश्य स्पष्ट किये हैं यदि उन्हें वर्तमान शिक्षा प्रणाली में समावेशित कर उनके अनुरूप शिक्षण कार्य कराया जाये तो शिक्षा का मुख्य लक्ष्य जो कि बालक का सर्वांगीण विकास करना है, को शीघ्र ही प्राप्त किया जा सकता है।
- डॉ० जाकिर हुसैन ने शिक्षा प्रणाली का जो नवीनतम प्रारूप तैयार किया है, उसके अनुसार यदि छात्रों में पाँच क्षमताओं– (प) अनुसंधान व जिज्ञासा की क्षमता (पप) सृजनशीलता और नवीनता (पपप) उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी के उपयोग की क्षमता (पअ) उद्यमशीलता एवं (अ) नैतिक नेतृत्व की क्षमता का विकास किया जाए तो भावी पीढ़ी स्वयं अपने स्तर पर ही स्वप्रेरणा को सीखने वाली हो जायेगी तथा स्वयं रोजगार की क्षमता उत्पन्न करने में समर्थ हो जायेगी।
- डॉ० जाकिर हुसैन के विद्यालय सम्बन्धी विचार शिक्षण विधियाँ व पुस्तकालय सम्बन्धी विचार वर्तमान शिक्षा पद्धति में नव परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।
- समाज व शिक्षा में वर्तमान समय में फैली विकृतियों को दूर करने में डॉ० जाकिर हुसैन की शिक्षा सहायक सिद्ध हो सकती है।
- वर्तमान शिक्षा भौतिकवादी शिक्षा है, अतः शिक्षा में बालक को चरित्र व व्यवहार पर शिक्षा प्रदान कर शिक्षा में आई बाधाओं को दूर किया जा सकता है।
- वर्तमान में शिक्षकों का लक्ष्य बालकों का केवल बौद्धिक विकास ही नहीं उसमें मानव व्यक्तित्व का निर्माण, उद्देश्य तथा स्वतन्त्र मस्तिष्क, रचनात्मक प्रवृत्ति और आत्मा विकास को महत्व प्रदान करना है। जिससे डॉ० जाकिर हुसैन के अनुसार शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।
- वर्तमान समय के विद्यालय बालक को बौद्धिक व व्यावसायिक ज्ञान प्रदान कर रहे हैं। डॉ० जाकिर हुसैन के अनुसार विद्यालय को ऐसे व्यक्ति का निर्माण करना चाहिए जो स्वयं सोच सके व देश का विकास कर सके।
- वर्तमान समय का पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जो व्यक्ति को स्वावलम्बी और आत्म निर्भर बना सके। डॉ० जाकिर हुसैन के विचार उपयोगी सिद्ध हो सकते है।

- वर्तमान समय में शिक्षार्थी में डॉ० जाकिर हुसैन के अनुसार सामाजिक सेवा, विश्व बन्धुत्व, राष्ट्रीय एकता आदि गुण होने चाहिए ताकि उसका उचित विकास हो सके। उनके विचार वर्तमान समय में उपयोगी सिद्ध होंगे।
- वर्तमान समय में यदि आत्मानुशासन पर बल दिया जाए तो निश्चित सभी छात्र अनुशासित होकर विद्या अर्जन करेंगे और देश के विकास में सहायक सिद्ध होंगे।
- यदि जीवन में डॉ० जाकिर हुसैन के अनुसार नैतिकता को जीवन में उतार लिया जाए तो निश्चित ही हमारे जीवन की नई समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है।

- **सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**

- अमवाल जे.सी. (2006) : महान दार्शनिकों और विचारकों की शिक्षा, दिल्ली, शिप्रा प्रकाशन.
- अली बी. शेख (1991) : डॉ. जाकिर हुसैन जीवन और समय. नई दिल्ली, विकास प्रकाशन हाउस
- अली, बी.एस. (1997) : महान शिक्षक : जाकिर हुसैन का जीवन और कार्य, मैसूर, प्रसारंगा विश्वविद्यालय.
- अहालूवालीया,वी.के. (1971) डॉ. जाकिर हुसैन नई दिल्ली, चिन्ड्रन बुक ट्रस्ट
- आचार्य, श्रीराम (2008) : डॉ० जाकिर हुसैन. मथुरा, युग निर्माण योजना. गायत्री तपोभूमि.
- एम.पी.कमल (2008) : डॉ० जाकिर हुसैन. दिल्ली, राजा पॉकेट बुक.
- दूबे, सत्यनाराण (2000) : शिक्षा की नवीन दार्शनिक पृष्ठभूमि. आगरा, आगरा पुस्तक मन्दिर.

Websites :-

- www.philosophyeducation.org
- www.jakirhusain.blogspot.com//pdf chapter 10
- www.wikipedia.com
- www.dessertationtopic.com

Corresponding Author
* डॉ. शिप्रा गुप्ता (रीडर व एच.ओ.डी.)
शिक्षा विभाग, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर
9001195587 (M)